Stakeholder's Meeting for Advocacy

Project: Addressing Barriers to Rice Seed Trade between India and Bangladesh
Supported by: CUTS Internationa, Jaipur
Organized by: BWDS, Patna
Thursday, 24th April, 2014
Venue: KVK, Aurangabad

4 | दैनिक जागरण पटना (गया), 25 अप्रैल 2014

कार्यक्रम में डीएओ शैलेंद्र कुमार ओझा एवं कृषि वैज्ञानिक डा. नित्यानंद जागरण

धान के उत्पादन को बढ़ाएं : डीएओ

- भारत बंगलादेश व्यापार समझौता पर चर्चा
- कृषि विज्ञान केंद्र में कार्यक्रम

जागरण संवाददाता, औरंगाबाद : कट्स इंटरनेशनल जयपुर एवं बिहार वाटर डेवलपमेंट के संयुक्त तत्वाधान में गुरुवार को कृषि विज्ञान केंद्र सिरिस में धान बीज के कम उत्पादन को सुधारने पर शिविर का आयोजन किया गया। जिला कृषि पदाधिकारी शैलेंद्र कुमार ओझा ने कहा कि भारत एवं बंगलादेश के बीच व्यापार कर बिहार में धान बीज के कम उत्पादन को सुधारा जा सकता है। बंगलादेश में धान की उत्पादकता अधिक होती है। वित्तीय वर्ष 2010-11 में 1.74 प्रति हेक्टेयर मीट्रिक टन थी जबकि पश्चिम बंगाल में 4.16 मीट्रिक टन।

बिहार में बीज प्रति स्थापन दर 2011-12 में 33 प्रतिशत थी जबकि आंध्र प्रदेश में 87.21 प्रतिशत। बंगलादेश से सटे किशनगंज, सहरसा एवं पूर्णिया जिले के किसान बांग्लादेशी धान बीआर-9,11 का उपयोग करते हैं। भारतीय प्रभेदों के धान स्वर्णा, राजेंद्र भगवती, श्वेता धान वृहद पैमाने पर बंगलादेश में प्रयोग किये जाते हैं। डा. सौरभ कुमार, मिस खुशबू खुल्लर ने विस्तारपूर्वक जानकारी दिया। कहा कि किसान उपज बढ़ाकर आर्थिक लाभ कमा सकते हैं। कृषि वैज्ञानिक डा. नित्यानंद ने फादर अमलराज, परियोजना समन्वयक अजय कुमार ने धान के प्रभेदों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला।